छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के द्वारा ऑक्सफैम इंडिया के जेंडर पाठ्यक्रम का शुभारम्भ

14 पाठों का यह इंटरैक्टिव ऑनलाइन पाठ्यक्रम का उद्देश्य है जेंडर अधिकारों पर युवाओं की समझ को बढ़ाना और जेंडर-आधारित हिंसा पर रोक लगाना है

रायपुर, 15 नवंबर 2021 | आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऑक्सफैम इंडिया के **'जेंडर और जेंडर समानता'** पाठ्यक्रम को वर्चुअली लॉन्च किया। ऑक्सफैम इंडिया के प्रमुख अमिताभ बेहर ,पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर केसरी लाल वर्मा और छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक भी शुभारम्भ में जुड़े थे । 14-सप्ताह का ऑनलाइन पाठ्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी में सभी के लिए स्वतंत्र रूप से इस वेब पोर्टल पर उपलब्ध है - https://gendermodule.oxfamindia.org/.

राज्य में जेंडर समानता को आगे बढ़ाने के लिए ऑक्सफैम इंडिया की पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, "छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए कई पहल शुरू की हैं। हम लैंगिक समानता के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और ऑक्सफैम इंडिया इस ऑनलाइन लिंग पाठ्यक्रम बनाने के लिए को बधाई देता हूं।"

ऑक्सफैम इंडिया का जेंडर पाठ्यक्रम युवाओं के लिए एक सेफ स्पेस तैयार करेगा जहाँ वे जेंडर, महिला अधिकारों पर अपनी समझ में सुधार कर सकते हैं, युवा महिलाओं के खिलाफ हिंसा की अभिव्यक्तियों को समझ सकते हैं, नकारात्मक सामाजिक आदर्श जो विभिन्न प्रकार की हिंसा को कायम रखते है और निवारण के तरीकों पर जानकारी ले सकते हैं।

यह पाठ्यक्रम ऐसे समय में आया है जब देश में कोरोनोवायरस महामारी के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा में बढ़ाव देखा जा रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-मई 2021 के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) को मिली घरेलू हिंसा की शिकायतें 21 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 (एनएफएचएस) ने बताया कि प्रमुख राज्यों में शारीरिक हिंसा का सामना करने वाली 70% महिलाओं ने इसके बारे में किसी को सूचित नहीं किया। यह द्विभाषी (अंग्रेजी और हिंदी)पाठ्यक्रम युवाओं को ऑनलाइन प्रारूप और इंटरैक्टिव सामग्री के माध्यम से भारत में जेंडर समानता की बारीकियों तक आसानी से पहुंचाएगा।

भारत में घरेलू हिंसा की 'छाया महामारी' को स्वीकार करते हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों को एक पत्र के माध्यम से पाठ्यक्रम में जेंडर संवेदीकरण के बारे में सामग्री जोड़ने और अप्रैल 2021 में महिलाओं की सुरक्षा पर व्याख्यान आयोजित करने का आग्रह किया। 2021 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अत्याचार और अपराधों पर संसदीय समिति की सिफारिश के बाद यह कदम आया।

ऑक्सफैम इंडिया के सीईओ अमिताभ बेहर ने कहा, "महामारी के दौरान ऑक्सफैम इंडिया ने छत्तीसगढ़ में सक्रिय रूप से काम किया है। हमने विभिन्न जिला प्रशासन के साथ महत्वपूर्ण जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध कराकर जन स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए काम किया है। आज शुरू किया गया लिंग पाठ्यक्रम युवाओं के लिए लिंग आधारित प्रोग्रामिंग के सैद्धांतिक और वास्तविक अभ्यास में अंतर को दूर करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करेगा।"

जून 2021 में छत्तीसगढ़ को एसडीजी 5: जेंडर समानता पर नीति आयोग के एसडीजी प्रदर्शन सूचकांक द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य का स्थान दिया गया था। ऑक्सफैम इंडिया का यह कोर्स राज्य के युवाओं को जेंडर न्याय की लड़ाई जारी रखने में मदद करेगा। पाठ्यक्रम में 14 पाठ शामिल हैं और यह लिंग, रूढ़िवादिता, पॉवर संबंधों और पितृसत्ता, नेतृत्व के पहलुओं और युवा महिलाओं के खिलाफ हिंसा, कानून की जानकारी, निवारण

संरचनाओं और प्रक्रियाओं के बारे में सामग्री तक आसानी से पहुंचाएगा। यह पहल महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा (VAWG) को संबोधित करने और सभी लिंगों के लिए भेदभाव मुक्त वातावरण बनाने के लिए ऑक्सफैम इंडिया के बड़े प्रयास जो जारी रखती है।

"हमारे देश के युवा एक पितृसत्तात्मक समाज में रह रहे हैं, एक ऐसा समाज जो नकारात्मक लिंग मानदंडों को मजबूत करता है और लिंग आधारित हिंसा को बढ़ावा देता है। इस कोर्स के साथ युवा भेदभाव, असमानता और लिंग आधारित हिंसा जैसे मुद्दों को समझेंगे, जिससे वे हिंसा का सहारा नहीं ले पाएंगे और न ही इसे प्रोत्साहित करेंगे और न ही इसे अपने जीवन में सहन करेंगे, "निवेदिता फाउंडेशन की निदेशक सिप्रा देवी ने कहा।

<u>ऑक्सफैम इंडिया के बारे में</u>

ऑक्सफैम इंडिया एक न्यायसंगत और समान भारत बनाने के लिए काम कर रहे लोगों का एक आंदोलन है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि आदिवासियों, दलितों, मुसलमानों और महिलाओं और लड़कियों को अपने मन की बात कहने की स्वतंत्रता, अपने अधिकारों को महसूस करने के समान अवसर और भेदभाव-मुक्त भविष्य के साथ सुरक्षित हिंसा-मुक्त जीवन मिले।